Answer-no - 4

फ्लोरोसेन्ट लैम्प :-) फ्लोरोसेन्ट बल्बो मे, पारे की वाष्प में वैद्युत अल्ट्रावायलेट लाइट प्राप्त होती है यह अल्ट्रावायलेट लाइट बल्ब के अन्दर की फास्फोर कोटिंग द्वारा शोषित कर ली जाती है जिससे बल्ब चमकने लगता है फ्लोरोसेन्ट बल्बो में तापदीप्त बल्बो की तुलना में कम ऊष्मा होती है जिससे फ्लोरोसेन्ट बल्बो की दक्षता तापदीप्त बल्बो की अपेक्षा काफी अधिक होती है